नीचे हाशिए में नहीं लिखें

मुख्य परीक्षा

म.प्र. लोक सेवा आयोग

प्रश्न क्रमांक	

अनुमान समिति

(c)

(a) जॉन मथाई की सिफारिश पर 1950 में गठित

(b) सदस्य- 30, (पूर्ण लोकसभा)

(c) कार्य- संगठन में सुधार कैसे लाए, प्रशासन में दक्षता कैसे लाए, व्यय में मितव्ययिता कैसे प्राप्त करे इस संबंध में सुझाव।

3

(d) भाग - 11

संविधान के भाग - 11 में केन्द्र राज्य प्रशासनिक व विधायी संबंधों का वर्णन किया गया है।

3

प्रशासनिक संबंध- अनु० 256-263

विधायी संबंध अनु० 245-255

(e) अनु 311

2

लोक सेवकों को हटाने के लिए संविधान में वर्णित विहित प्रक्रिया का अनुसरण करना। अर्थात संविधान सम्मत तरीके से ही

गुरुकुल आई.सी.एस.
(An institute for civil services)
2nd माला, सुंदरम काम्पलेक्स, भंवरकुऑं मेन रोड, इन्दौर
9827462437, 0731-2465085, 0731-2367970

लोक सेवक हटाए जा सकेंगे।

नीचे हाशिएं में नहीं लिखें

2

न्यायिक सक्रियता

न्यायालय की स्वयं एवं जन शासन के अन्य अंग संविधान सम्मत तरीके से कार्य न करे तो हस्तक्षेप करने या सक्रियता की ~~क्री~~ प्रवृत्ति।

विधि के शासन एवं संविधान की सर्वोच्चता स्थापित करने हेतु न्यायपालिका इसका प्रयोग करती है।

6

~~मूल ढांचा~~

~~संविधान के वह भाग जिनके बिना संविधान की~~

6

मूल ढांचा – ये संविधान के आधार स्तम्भ है – संविधान की आत्मा इनके बिना शून्य होती है।

केशवानंद भारती, मामला (1973) बोम्मई केस (1994)

इससे संबंधित केस है।

प्रश्न क्रमांक

मुख्य परीक्षा

म.प्र. लोक सेवा आयोग

नीचे हाशिए में नहीं लिखें

H संपत्ति का अधिकार (अनु० 31-C)

संपत्ति का अधिकार को संविधान द्वारा पहले सुरक्षा प्राप्त थी क्योंकि यह अनु० 19 के माध्यम एक मूल अधिकार था किन्तु 44 संविधान संशोधन अधि 1978 द्वारा इसे मूल अधिकार से हटा दिया गया।

2 BWA

I समान नागरिक संहिता।

(i) नीति निदेशक तत्वों के अनु० 44 में वर्णित।

(ii) व्याख्या => देश में समस्त नागरिकों के लिए एक समान कानून व्यवस्था।

2 civil law

(iii) तीन तलाक मामले के बाद से समान नागरिक संहिता का मुद्दा तीव्र हुआ है।

नीचे हाशिएं में नहीं लिखें

J

भाषायी अल्पसंख्यको हेतु विशेष अधिकारी

संविधान मे अनु० 350-B मे भाषायी अल्पसंख्यको हेतु विशेष अधिकारी का उपबंध किया गया है।

उद्देश्य → भाषायी अल्पसंख्यक हितो की रक्षा।

K

(CAG)

संविधान के अनु० 148-151 के मध्य कैग की नियुक्ति योग्यता कार्य व शक्ति का वर्णन किया गया है।

ये भारत की वित्तीय प्रणाली के नियंत्रक है एवं सरकार, सरकारी विभागो, लोक उपक्रमो के लेखाओ की लेखा परीक्षा का दायित्व इन्हे सौंपा गया है।

प्रश्न क्रमांक

मुख्य परीक्षा

म.प्र. लोक सेवा आयोग

1 अखिल भारतीय सेवाएं

प्रावधान - अनु० 312

सेवाएं - IAS, IPS, IFS (राज्यों में)

भर्ती - UPSC द्वारा

नियुक्ति - राष्ट्रपति के प्रसाद पर्यन्त

2

3 वित्तीय आपात (अनु० 360)

(i) जब देश में वित्तीय संकट या मंदी का संकट हो।

(ii) इस दौरान केन्द्र राज्य वित्तीय संबंध प्रभावित होते हैं।

(iii) कर्मचारियों के वेतन-भत्ते में कटौती की जा सकती है।

(iv) अनिश्चित काल हेतु लगाया जा सकता है।

2

राष्ट्रपति द्वारा

15 लोकतांत्रिक विकेन्द्रीकरण

सत्ता मे सहभागिता व निर्णय लेने की शक्ति का स्थानीय स्तर तक विस्तार करना, विकेन्द्रीकरण कहलाता है।

73 वे संविधान संशोधन 1992 को इस दिशा मे बेहतर कदम माना जा सकता है

0 के. एम. पणिक्कर

~~संविधान सभा के~~ प्रारूप समिति के सदस्यो मे से एक

0 के. एम. पणिक्कर

फजल अली समिति (राज्य पुनर्गठन आयोग) 1953

के सदस्यो मे से एक

अभ्यास करें

प्रश्न क्रमांक	मुख्य परीक्षा म.प्र. लोक सेवा आयोग

2 A

भारत की चुनावी व्यवस्था में इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग के प्रभाव

भारत में ई.वी.एम की शुरुआत 1981 में केरल के चुनावों में हुई तत्पश्चात 1998 में मध्यप्रदेश व राजस्थान के चुनावों में इसका प्रयोग हुआ।

इसके प्रभाव निम्नलिखित हैं—

(I) आसान प्रक्रिया
अपने पसंद के प्रत्याशी के चिन्ह के सामने की बटन दबा कर वोटिंग सम्पन्न हो जाती है।

(II)
गणना में लगने वाला समय घटता है।

(III) परिणामों की शीघ्र घोषणा।

(IV) हेर-फेर की संभावना नहीं अतः धांधले बाजी नहीं हो पाती।

(V) वी.वी.पैट मशीन यह सुनिश्चित करता है कि आपका वोट आपके

गुरुकुल आई.सी.एस.
(An institute for civil services)
2nd माला, सुंदरम काम्पलेक्स, भंवरकुआँ मेन रोड, इन्दौर
9827462437, 0731-2465085, 0731-2367970

प्रत्याशी को ही प्राप्त हुआ

नीचे ह
में, नहीं

नकारात्मक प्रभाव

(i) संसद में बार-बार ~~ई~~ मशीन हैकिंग के आरोप।

(ii) इलेक्ट्रानिक डिवाइस है तो खराब होने की समस्या।

2

(iii)

उम्मीदवारों की संख्या अधिक होने पर

प्रश्न क्रमांक

मुख्य परीक्षा

म.प्र. लोक सेवा आयोग

पीछे हाशिए में नहीं लिखें

B

राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण

पर्यावरण 2010 ~~अधिनियम 1986~~

स्थापना→

राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण की स्थापना राष्ट्रीय ... 2010 द्वारा की।

उद्देश्य→

(i) पर्यावरण संबंधी मामलों का बोझ सुप्रीम कोर्ट से कम करना।

(ii) ~~निम्न मामले- (क) पर्यावरण प्रदूषण (ख) पर्यावरण क्षरण (ग) जैवविविधता की सुनवाई।~~

(iii) पर्यावरण कानूनों को लागू करना एवं सुरक्षा प्रदान करना।

3

(iv) ~~अवमानना करने वाली इकाईयों को दण्डित करना।~~

(v) पर्यावरण संबंधी मामलों पर स्वतः संज्ञान लेना।

मुख्य परीक्षा

म.प्र. लोक सेवा आयोग

(७) बेहतर पर्यावरण हेतु आवश्यक आदेशों का संचालन।

मुख्य परीक्षा

म.प्र. लोक सेवा आयोग

प्रश्न क्रमांक

संविधान की एकीकरण की प्रवृत्तियाँ

(i) सशक्त केन्द्र

केन्द्र को महत्वपूर्ण विषय (रक्षा, विदेश, संचार)

ज्यादा विषय (100)

(ii) राज्य अनश्वर नहीं

केन्द्र राज्यों का निर्माण, नाम, क्षेत्र संशोधन साधारण बहुमत द्वारा कर सकते है

(iii) लचीला संविधान

संसद का आधे से ज्यादा कानूनों को बिना राज्यों की सहमति संशोधन की शक्ति।

(iv) राज्यपाल की नियुक्ति

राज्य पाल की नियुक्ति केन्द्र द्वारा किन्तु राज्य को नियंत्रित करता है

(v) एकीकृत निर्वाचन व लेखा नगीनती

केन्द्रीय निर्वाचन आयोग केन्द्र व राज्य

गुरुकुल आई.सी.एस.
(An institute for civil services)
2nd माला, सुंदरम कॉम्पलेक्स, भंवरकुआँ मेन रोड, इन्दौर
9827462437, 0731–2465085, 0731–2367970

नीचे हाशिएं में नहीं लिखें

दोनों हेतु निर्वाचन कार्य सम्पन्न कराते हो
वही कीग - केन्द्र व राज्य दोनो के
लेखाओं की परीक्षा करते हो

अखिल भारतीय सेवाए

केन्द्र द्वारा नियुक्त होते है किन्तु सेवा
राज्यों मे देते है। ये राज्य के
शासन के प्रति उत्तरदायी नहीं होते।

अनु 299,
संविधान संशोधन
अवशिष्ट शक्ति
आदि

D

स्वैच्छिक संगठन सरकारी एजेंसियों के महत्वपूर्ण अंग बन गये हैं।

स्वैच्छिक संगठन (स्वेच्छा से गठित)

- CBO
- NGO
- Self helping groups

समुदाय आधारित संगठन - ग्रामों में विकास कार्यों, न केवल अवसंरचना बल्कि सामाजिक व आर्थिक उन्नयन में भी शासन के बड़े सहयोगी सिद्ध हो रहे हैं।

वहीं एन.जी.ओ. वंचित वर्गों, महिलाओं एवं अन्य सामाजिक उद्देश्यों हेतु निर्मित किए जाते हैं, तथा इन वर्गों की आवाज शासन तक पहुंचाते हैं। ये संगठन हैं।

वंचित वर्गों की सामाजिक, शैक्षणिक, आर्थिक सहायता के कार्य में भी दूर दराज इलाकों में कार्यरत रहते हैं।

चाहे महामारी हो, या आपदा इनके कार्य शासन की कड़ियों से कम नहीं हैं।

नीचे हाशिएं में नहीं लिखें

इस प्रकार स्वैच्छिक संगठनों के शासन के कार्यों में सहभागिता के आधार पर हम कह सकते हैं कि ये संगठन सरकारी एजेंसियों के महत्वपूर्ण अंग बन चुके हैं।

प्रश्न क्रमांक

मुख्य परीक्षा

म.प्र. लोक सेवा आयोग

नीचे हाशिये में नहीं लिखें

निवारक निरोध

संविधान के अनु० 22 में निवारक निरोध का वर्णन किया गया है। 22(4)(5)

~~इस~~ यह एक ऐसी प्रक्रिया है जिसमें किसी व्यक्ति को अपराध करने के पूर्व ही रोका जाता है।

निवारक निरोध किया गया व्यक्ति कम से कम 3 माह जेल में निरोध किया जाता है।

किन्तु उसे सुनवाई का अधिकार प्राप्त होता है और निरोध का कारण बताया जाता है।

TADA
NSA
MISA
POTA

इस व्यवस्था के कारण

(1) आतंकवाद एवं विनाशक गतिविधि पर नियंत्रण।

(2) सांप्रदायिक दंगों में दूर विद्रोहियों को नियंत्रण करना।

(3) अलगाववादियों पर नियंत्रण स्थापना।

मुख्य परीक्षा

म.प्र. लोक सेवा आयोग

(ख) देश की संप्रभुता एवं अखण्डता की रक्षा।

(ग) आन्तरिक शान्ति व सुरक्षा हेतु।

कुछ निवारक निरोध कानून-

(i) TADA - 1987

(ii) POTA

3½

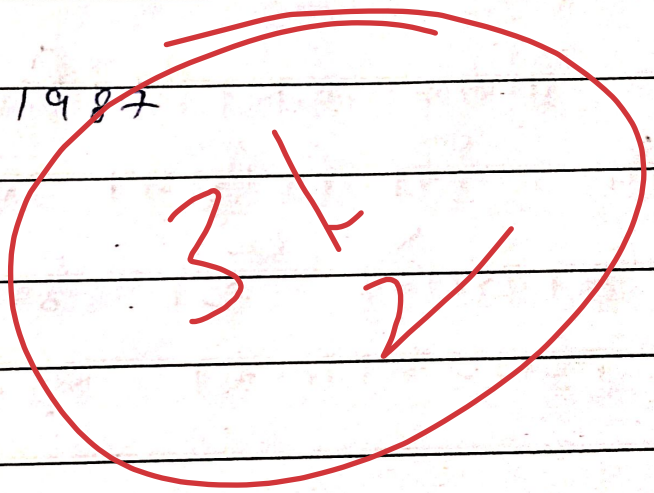

न्यायिक पुनरावलोकन (अनु० 13?)

विधायिका के द्वारा निर्मित विधियों एवं प्रशासन के कार्यों की संवैधानिकता का परीक्षण करने का न्यायपालिका का एक उपकरण है।

रचना के निर्णय

इसमें संसद द्वारा निर्मित अनुच्छेद आधीन जो विधियाँ एवं निर्णय संविधान के प्रावधानों का अतिक्रमण करते हैं उन्हें न्यायपालिका शून्य घोषित कर देती है।

लाभ →

(a) विधायिका एवं कार्यपालिका की मनमानी रोकना।

(b) सरकार को निरंकुश होने से रोकना।

(c) विधि का शासन सुनिश्चित करना।

(d) संविधान की सर्वोच्चता की स्थापना करना।

उदाहरण → न्यायपालिका ने NJAC को असंवैधानिक करार दिया।

प्रश्न क्रमांक

मुख्य परीक्षा

म.प्र. लोक सेवा आयोग

नीचे हाशिएं में नहीं लिखें

1

मीडिया लोकतंत्र का चौथा स्तम्भ है।

मीडिया से तात्पर्य है (माध्यम) जो जनता एवं शासन के बीच संवाद का माध्यम होता है।

इसे लोकतंत्र का चौथा स्तम्भ कहते है क्योंकि यह शासन के अन्य तीनों अंगों को जनता के प्रति उत्तरदायी बनाता है।

इसकी निम्न विधियाँ है-

(i) विधायिका एवं कार्यपालिका की मनमानी का सार्वजनीकरण करना।

(ii) शासन की अकर्मण्यता पर दबाव डालना।

(iii) शासन की गलत नीतियों की आलोचना करना।

(iv) सरकार की योजनाओं की समीक्षा करना एवं वाद-विवाद द्वारा तथ्यों को समझाना।

(v) शासन मे व्याप्त भ्रष्टाचार को उजागर करना

पाठ्यक्रम के अनुसार नहीं है

नीचे हाशिये में नहीं लिखें

(5) जनता की समस्याए सरकार तक पहुँचाना।

(6) नागरिको मे देश के प्रति एव उसके दायित्वों के प्रति जागरूक बनाना।

(7) स्वतंत्रता, समानता की भावना का प्रसार।

(8) मानवाधिकार उल्लंघन मामलों को सरकार तक पहुँचाना।

$\frac{4}{2}$

good

मुख्य परीक्षा

म.प्र. लोक सेवा आयोग

नक्सलवाद

पश्चिम बंगाल के नक्सलबाड़ी गाँव मे 70 के दशक मे चारु मजुमदार एवं अन्य साथियो ने लेनिन व माओत्से तुंग की विचार धारा अपनाते हुए नक्सलवाद की स्थापना की थी।

इसके कारण निम्नलिखित है—

(i) सरकारी उपेक्षा

नक्सल प्रभावित क्षेत्र सरकार की उपेक्षा के कारण निर्मित हुए हैं इन क्षेत्रों मे शिक्षा स्वास्थ्य, अवसंरचनाओं का आभाव रहा है।

(ii) संस्कृतियों पर चोट

स्थानीय समुदायों पर कानून आरोपित किया, उनके परम्परागत अधिकारों व संस्कृतियों पर चोट किया गया।

(iii) शोषण

स्थानीय समुदायों का पहले जमींदार, फिर अंग्रेज और अब शासन के तंत्र द्वारा शोषण किया गया।

(i) संचार साधनों से अलगाव।

संचार के अभाव में ये लोग बाहरी दुनिया एवं शासन से जुड़ नहीं पाते।

(ii) बाह्य एजेन्टों की भूमिका।

चीन जैसे देशों का समर्थन, हथियार व वित्त पोषण।

(iii) प्रभावित क्षेत्रों का निम्न जीवन स्तर

खराब स्वास्थ्य दशा, भुखमरी, अशिक्षा

(iv) विचारधारा
ज्यादातर नक्सलवादी वामपंथ से प्रभावित हैं एवं अपनी खराब दुर्दशा हेतु शासन को जिम्मेदार मानते हैं।

8

नीचे हाशिएं में नहीं लिखें

संवैधानिक प्रावधान (महिला)

(i) विधि के समक्ष समानता (अनु १४)
पुरुष व स्त्री में कोई विभेद नहीं।

1.5 / 2

(ii) अवसर की समानता (अनु० १६)
शासकीय सेवाओं मे समान अवसर प्रदान किए जायेंगे।

(iii) अनु० २३- महिलाओं का दुर्व्यापार रोका जाना।

(iv) समान वेतन सुनिश्चित करना - अनु० ३९

(v) प्रसूति दौरान लोक सहायता का अधिकार - अनु ४१

(vi) समान नागरिक संहिता - अनु० ४४

(vii) अनु० ५१-क मूल कर्तव्य (महिलाओं की गरिमा को चोट करने वाली प्रथाओं का त्याग)

(ix) २४३-D → महिलाओं को ३३% आरक्षण

प्रश्न क्रमांक | मुख्य परीक्षा
म.प्र. लोक सेवा आयोग

नीचे हाशिए में नहीं लिखें

2

म.प्र. लोक सेवा गारंटी अधि. 2010

लागू → 24-सितम्बर - 2011

उद्देश्य → गुणवत्तापूर्ण सेवा समय
समबद्धता
शिकायत निवारण

प्रा-नविकृ लोकतंत्र, जवाबदेही

प्रावधान →

(I) उच्च गुणवत्तापूर्ण सेवाएं।

(II) समय पर सेवा प्रदान करना।

(III) त्वरित शिकायत निवारण प्रणाली।

(IV) सेवाओं को डिजटल माध्यम से प्रदाय।

(V) सेवाओं मे पारदर्शिता।

(VI) कम व्यय एवं कम समय मे सेवा।

(VII) सेवा दक्षताओं मे वृद्धि।

2

3

प्रश्न क्रमांक

मुख्य परीक्षा

म.प्र. लोक सेवा आयोग

नीचे हाशिए में नहीं लिखें

3 (B) ~~स्थानीय स्वशा~~।

राष्ट्रपति की शक्तियाँ

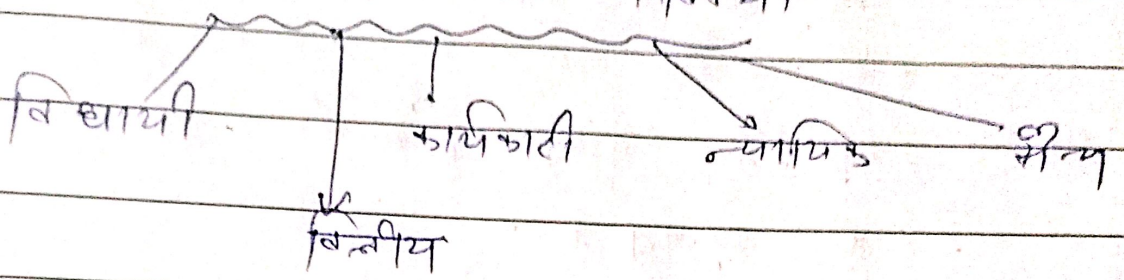

- विधायी
- वित्तीय
- कार्यकारी
- न्यायिक
- सैन्य

(1) विधायी => (i) अध्यादेश जारी करना (अनु० 123)

(ii) संयुक्त सत्र आहूत करना

(iii) राष्ट्रपति का अभिभाषण

(iv) विधेयकों को सहमति, स्वीकृति व पुनर्विचार हेतु लौटाना।

(v) राज्य विधेयकों पर विचार करना

Good !!!

कार्यकारी

(1) नियुक्तियाँ - प्रधानमंत्री
अन्य मंत्री
सुप्रीम कोर्ट व हाईकोर्ट के न्यायाधीश
कैग, मुख्य चुनाव आयुक्त
व अन्य

(ii) समस्त प्रशासनिक कार्य राष्ट्रपति के ही नाम से संभव।

(iii) लक्षद्वीप, दादरानगर हवेली, आदि का प्रशासन।

(iv) अनुसूचित क्षेत्र की घोषणा।

(v) आयोगों ~~के~~ के अध्यक्ष की नियुक्ति (SC, ST, OBC, महिला आयोग)

वित्तीय

(i) धन विधेयक राष्ट्रपति की सहमति से ही प्रस्तुत होते हैं।

(ii) आकस्मिकता निधि पर राष्ट्रपति का अधिकार होता है।

(iii) कोई भी अनुदान मांग राष्ट्रपति की अनुमति बिना नहीं रखी जाती।

न्यायिक

(i) न्यायाधीशों की नियुक्ति (सुप्रीम कोर्ट, हाईकोर्ट)

(ii) क्षमादान की शक्तियाँ

Bht 78

(ii) समस्त प्रशासनिक कार्य राष्ट्रपति के ही नाम से संपन्न।

(iii) लक्षद्वीप, दादरानगर हवेली, अण्डमान का प्रशासन।

(iv) अनुसूचित क्षेत्र की घोषणा।
(v) आयोगों ~~के~~ के अध्यक्ष की नियुक्ति (SC, ST, OBC, महिला आयोग)

वित्तीय

(i) धन विधेयक राष्ट्रपति की सहमति से ही प्रस्तुत होते हैं

(ii) आकस्मिकता निधि पर राष्ट्रपति का अधिकार होता है

(iii) कोई भी अनुदान माँग राष्ट्रपति की अनुमति बिना नहीं रखी जाती

न्यायिक

(i) न्यायाधीशों की नियुक्ति (सुप्रीम कोर्ट, हाइ कोर्ट)
(ii) क्षमादान की शक्तियाँ

मुख्य परीक्षा

म.प्र. लोक सेवा आयोग

प्रश्न क्रमांक

नीचे हाशिएं में नहीं लिखें

सैन्य

(i) तीनों सेनाओं का सेनाधिपति

(ii) कोर्ट मार्शल (सभा) की का अधिकार

नियुक्ति

क्या राष्ट्रपति रबर स्टाम्प है ?

आपात

यह सत्य है कि भारत मे कार्यपालिका नाममात्र की है। राष्ट्रपति नाममात्र की कार्यपालिका है और वास्तविक शक्ति प्रधानमंत्री के पास है किन्तु निम्न मामले मे उसे विवेकी शक्तियाँ है

(i) विधेयक पुनर्विचार हेतु लौटाना।

(ii) बहुमत खोने पर सरकार को बरखास्त करना।

(iii) प्रधानमंत्री से प्रशासनिक व विधायिका के विधायन प्रस्तावों की जानकारी माँगना।

(iv) प्रधानमंत्री की मृत्यु हो जाए और कोई उत्तराधिकारी न हो तो वह स्वविवेक का उपयोग कर प्रधानमंत्री नियुक्त करता है।

(v) स्पष्ट बहुमत प्राप्त न होने पर किसी दल को सरकार बनाने हेतु मामंत्रण देना

मुख्य परीक्षा

म.प्र. लोक सेवा आयोग

नीचे हाशिए में नहीं लिखें

प्रश्न क्रमांक

इस तरह राष्ट्रपति को पर्याप्त विवेकी शक्तियाँ प्राप्त हैं। साथ ही उसका पद सम्मानीय है और शासन में उसका स्थान अहम है।

निष्कर्ष! ज्यादातर मामलों में निर्णय हेतु मंत्रीपरिषद की परामर्श पर निर्भर है किन्तु स्वविवेकी शक्तियों के होते हुए रबर स्टॉम्प का नाम देना तर्कसंगत नहीं होगा।

नीचे हाशिएं में नहीं लिखें

स्थानीय स्वशासन पद्धति का विकास

भारत में प्राचीन काल से ही स्थानीय स्वशासन के गुण विद्यमान रहे जैसे

अर्थशास्त्र - (i) 6 समितियाँ नगरों का प्रबंधन करती है।
(ii) ग्रामीक - ग्राम का
विषयपति - विषयों का स्वशासन

उत्तरमेरूर अभिलेख
चोलकालीन स्थानीय स्वशासन का वर्णन
(i) उर - सर्वसामान्य की सभा
(ii) महासभा - अग्रहारों की सभा
(iii) नगरम → व्यापारियों की सभा

लार्ड रिपन → स्थानीय स्वशासन का जनक
भारत में स्थानीय स्वशासन के आधुनिक प्रयोग
पहला नगर निगम - मद्रास बना।

बलवंत राय मेहता समिति (1957)

त्रिस्तरीय पंचायत का सुझाव — ग्राम, मंडल, जिला स्तर पर

अशोक मेहता समिति (1977)

द्विस्तरीय पंचायत का सुझाव — मंडल स्तर, जिला स्तर

सिंघवी समिति (1986)

पंचायती राज का संवैधानिकरण की माँग।

73वाँ संविधान संशोधन अधि० 1992

24-अप्रैल-1993 से लागू

भाग-9, 243- 243 (O) तक

प्रावधान 243-A ग्राम सभा
243-D आरक्षण
243 I राज्य वित्त आयोग
243 (J) राज्य निर्वाचन आयोग

243 (K) राज्य लेखा परीक्षा

प्रश्न क्रमांक

मुख्य परीक्षा

म.प्र. लोक सेवा आयोग

नीचे हाशिएं में नहीं लिखें

74 CAA 1993

नगरीय निकायों की स्थापना, एवं शक्ति प्रदाय

महत्व

(i) लोकतंत्र को मूर्त रूप प्रदान किया गया

(ii) सत्ता में सहभागिता एवं निर्णयन की शक्ति का जनता तक विस्तार

(iii) सभी वर्गों की सहभागिता सुनिश्चित।

(iv) स्थानीय व क्षेत्रीय समस्या का क्षेत्रीय स्तर पर समाधान।

(v) स्थानीय विकास सुनिश्चित।

(vi) योजनाओं की सफलता एवं समावेशन को साकार किया।

(vii) ग्राम स्तर तक आवश्यकताओं की पहुँच।

उत्तम आधिकार

प्रश्न क्रमांक

मुख्य परीक्षा

म.प्र. लोक सेवा आयोग

नीचे हाशिए में नहीं लिखें

6

धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार

प्रावधान- अनुच्छेद (25-28)

धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार एक मूल अधिकार है। भारत एक धर्मनिरपेक्ष देश है इसलिए यहाँ प्रत्येक धर्म को सुरक्षा प्रदान की गई है। शासन धर्म से तटस्थ रहता है।

• धार्मिक स्वतंत्रता के संवैधानिक प्रावधान निम्न हैं-

(1) "अंतःकरण की सुनने व धर्म मानने की स्वतंत्रता (अनु०-25)

प्रत्येक व्यक्ति को अपनी रूचि के धर्म को मानने की स्वतंत्रता है।

उदाहरण के लिए →

(1) सिक्खों को कृपाण रखना सिक्ख धर्म का अभिन्न अंग है अतः उन्हें स्वतंत्रता प्रदान की गई।

प्रश्न क्रमांक

मुख्य परीक्षा

म.प्र. लोक सेवा आयोग

(ii) धार्मिक कार्य करने एवं आचरण की स्वतंत्रता (अनु 26)

प्रत्येक व्यक्ति को अपने धर्म के अनुसार आचरण करने एवं धार्मिक कार्यों के प्रबंधन का अधिकार होगा।

किन्तु धर्मान्तरण की स्वतंत्रता नहीं होगी।

(iii) ~~धार्मिक कर~~
करों का प्रयोग धर्म के पोषण पर नहीं किया जाएगा
(अनु 27)

अर्थात कर से प्राप्त राशि का उपयोग किसी धर्म विशेष के पोषण में नहीं किया जायेगा

भाषा देखें

(iv) अनु॰ 28
राज्य निधि से पूर्णतः पोषित किसी संस्थान में धार्मिक शिक्षा प्रदान नहीं

धार्मिक स्वतंत्रता सुनिश्चितकरण के कारण

(i) भारत एक धर्मनिरपेक्ष राज्य है।
(ii) सर्व समानता के सिद्धान्त।
(iii) तमाम वर्गों का कल्याण।

चुनौतियाँ

(i) धर्मान्तरण के मामले।
(ii) धार्मिक कट्टरता।
(iii) धर्म का धार्मिक हिंसा।
(iv) वोट बैंक हेतु धर्मों का ध्रुवीकरण

उपाय

(i) सेक्युलर शिक्षा पद्धति।
(ii) धार्मिक स्वतंत्रता सुनिश्चितकरण
(iii) सुलह कुल की नीति।
(iv) सहिष्णुता के सिद्धान्त
(v) राष्ट्र सर्वोपरि का सिद्धान्त।